

Ancient History

for

HCS EXAM

A Complete and Comprehensive Coverage
for Prelims & Mains HCS Exam

- Bilingual (English + Hindi Medium)
- 20 MCQs of Every Topic
- 2 Descriptive Questions
with Solutions of Every Topic

For Prelims & Mains

Ancient Indian History / प्राचीन भारतीय इतिहास

1. Pre-historic Period / प्रागैतिहासिक काल:

The pre-historic period in India refers to the time before the invention of writing, for which no written records are available. Our understanding of this period is based entirely on archaeological findings, such as stone tools, pottery, skeletal remains, and cave paintings. This era is broadly divided based on the type of tools used and the prevalent human activities.

भारत में प्रागैतिहासिक काल उस समय को संदर्भित करता है जब लेखन का आविष्कार नहीं हुआ था, जिसके लिए कोई लिखित अभिलेख उपलब्ध नहीं है। इस अवधि की हमारी समझ पूरी तरह से पुरातात्त्विक खोजों, जैसे पथर के औजार, मिट्टी के बर्तन, कंकाल के अवशेष और गुफा चित्रों पर आधारित है। इस युग को मोटे तौर पर उपयोग किए गए औजारों के प्रकार और प्रचलित मानवीय गतिविधियों के आधार पर विभाजित किया गया है।

- 1. Paleolithic Age (पुरापाषाण काल) / Old Stone Age:

- English: The longest and earliest period of the Stone Age. It extends from approximately 2.5 million years ago to 10,000 BCE. Humans were primarily nomadic hunter-gatherers, living in caves or rock shelters. They had no knowledge of agriculture, pottery, or fire (initially).

पाषाण युग की सबसे लंबी और सबसे प्रारंभिक अवधि। यह लगभग 2.5 मिलियन वर्ष पहले से 10,000 ईसा पूर्व तक फैली हुई है। मनुष्य मुख्य रूप से खानाबदेश शिकारी-संग्राहक थे, जो गुफाओं या चट्टानी आश्रयों में रहते थे। उन्हें कृषि, मिट्टी के बर्तनों या आग का कोई ज्ञान नहीं था (शुरू में)।

- Tools (औजार): Used crude, unpolished, and rough stone tools, primarily made of quartzite. Tools included handaxes, choppers, cleavers, blades, scrapers. Tools were larger and less refined.

कच्चे, अपरिष्कृत और खुरदरे पथर के औजारों का उपयोग करते थे, मुख्य रूप से कार्ट्जाइट से बने होते थे। औजारों में हस्तकुल्हाड़ी, चौपर, क्लीवर, ब्लेड, स्केपर शामिल थे। औजार बड़े और कम परिष्कृत थे।

- Sub-divisions (उप-विभाजन):

- Lower Paleolithic (निम्न पुरापाषाण): (2.5 million - 100,000 BCE) Used handaxes, cleavers (Chopper-Chopping culture, Acheulian culture). Associated with Homo Erectus.

(2.5 मिलियन - 100,000 ईसा पूर्व) हस्तकुल्हाड़ी, क्लीवर (चौपर-चोप्पिंग संस्कृति, अचेउलियन संस्कृति) का उपयोग करते थे। होमो इरेक्टस से जुड़ा।

- Middle Paleolithic (मध्य पुरापाषाण): (100,000 - 40,000 BCE) Tools became smaller and lighter (flakes, borers, scrapers). Associated with Neanderthals.

(100,000 - 40,000 ईसा पूर्व) औजार छोटे और हल्के हो गए (फ्लेक्स, बोरर, स्क्रेपर)। निएंडरथल से जुड़ा।

- Upper Paleolithic (उच्च पुरापाषाण): (40,000 - 10,000 BCE) Emergence of blades, burins, scrapers. Evidence of bone tools. Appearance of Homo Sapiens. Rock art (Bhimbetka).

(40,000 - 10,000 ईसा पूर्व) ब्लेड, बुरिन, स्केपर का उद्भव। हड्डी के औजारों के प्रमाण। होमो सेपियन्स का उद्भव। शैल कला (भीमबेटका)।

- Key Sites in India (भारत में प्रमुख स्थल):

- Bhimbetka (भीमबेटका), Madhya Pradesh: Famous for rock shelters and cave paintings (Upper Paleolithic onwards).
- Hunsgi (हुन्सगी), Karnataka: Lower Paleolithic site.
- Kurnool Caves (कुर्नूल गुफाएँ), Andhra Pradesh: Upper Paleolithic, evidence of bone tools.
- Pallavaram (पल्लवरम), Tamil Nadu: First discovery of a Paleolithic tool (handaxe) in India by Robert Bruce Foote (1863).
- Son Valley (सोन धाटी), Punjab/Pakistan.

- 2. Mesolithic Age (मध्यपाषाण काल) / Middle Stone Age:

- English: A transitional period between the Paleolithic and Neolithic ages. Extends from approximately 10,000 BCE to 6,000 BCE. Marked by climatic changes (warmer climate, melting ice), leading to new animal and plant life. People were still hunter-gatherers but adapted to a new environment.

पुरापाषाण और नवपाषाण युगों के बीच का एक संक्रमणकालीन काल। यह लगभग 10,000 ईसा पूर्व से 6,000 ईसा पूर्व तक फैला हुआ है। जलवायु परिवर्तन (गर्म जलवायु, पिघलती बर्फ) द्वारा चिह्नित, जिससे नए पशु और पादप जीवन का उदय हुआ। लोग अभी भी शिकारी-संग्राहक थे लेकिन एक नए वातावरण के अनुकूल हो गए।

- Tools (औजार): Characterized by the use of microliths (सूक्ष्मपाषाण) – very small, sharp, and pointed stone tools (blades, points, triangles, crescents), often hafted onto wood or bone to make composite tools.

सूक्ष्मपाषाणों के उपयोग की विशेषता – बहुत छोटे, तेज और नुकीले पथर के औजार (ब्लेड, बिंदु, त्रिकोण, अर्धचंद्र), अक्सर लकड़ी पर लगाए जाते थे ताकि मिश्रित औजार बनाए जा सकें।

- Developments (विकास):

1. Early Animal Domestication (प्रारंभिक पशुपालन): Evidence of domestication of wild animals (dog, sheep, goat).

जंगली जानवरों (कुत्ता, भेड़, बकरी) के पालतू बनाने के प्रमाण।

2. Fishing and Fowling (मछली पकड़ना और पक्षी पकड़ना): More emphasis on these activities.

इन गतिविधियों पर अधिक जोर।

3. Rock Paintings and Art (शैल चित्र और कला): More prevalent, depicting hunting scenes, social activities. (e.g., Bhimbetka, Adamgarh).

अधिक प्रचलित, शिकार के दृश्य, सामाजिक गतिविधियों को चित्रित करते हुए। (उदा. भीमबेटका, आदमगढ़)।

4. Use of fire (अग्नि का उपयोग): Became more widespread.

अधिक व्यापक हो गया।

- Key Sites in India (भारत में प्रमुख स्थल):

- Bagor (बागोर), Rajasthan: One of the largest and best-documented Mesolithic sites, evidence of early animal domestication.
- Adamgarh (आदमगढ़), Madhya Pradesh: Evidence of animal domestication.
- Langhnaj (लंगनाज), Gujarat: Evidence of wild and domesticated animals.
- Sarai Nahar Rai (सराय नाहर राय), Mahadaha (महादहा), Damdama (दमदमा), Uttar Pradesh: Sites with human skeletons, burial practices, and various microliths.
- 3. Neolithic Age (नवपाषाण काल) / New Stone Age:
 - English: Marked by a revolutionary shift in human life, extending from approximately 6,000 BCE to 4,000 BCE (varying by region). This period saw humans transition from food gatherers to food producers.

मानव जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव द्वारा चिह्नित, जो लगभग 6,000 ईसा पूर्व से 4,000 ईसा पूर्व तक फैला हुआ है (क्षेत्र के अनुसार भिन्न होता है)। इस अवधि में मनुष्य भोजन संग्राहकों से भोजन उत्पादक बन गए।

- Key Characteristics / प्रमुख विशेषताएँ:

1. Beginning of Agriculture (कृषि की शुरुआत): Cultivation of crops (wheat, barley, rice, millet).

फसलों की खेती (गेहूं, जौ, चावल, बाजरा)।

2. Animal Domestication (पशुपालन): More widespread domestication of cattle, sheep, goats, etc.

मवेशियों, भेड़ों, बकरियों आदि का अधिक व्यापक पशुपालन।

3. Settled Life (स्थायी जीवन): Humans began to live in permanent mud/wattle-and-daub houses, forming villages.

मनुष्य स्थायी मिट्टी/वाटल-एंड-डाब घरों में रहने लगे, जिससे गाँव बने।

4. Invention of Pottery (मिट्टी के बर्तनों का आविष्कार): For storing grains and cooking. Both handmade and wheel-made pottery.

अनाज भंडारण और खाना पकाने के लिए। हाथ से बने और चाक से बने मिट्टी के बर्तन दोनों।

5. Polished Stone Tools (पॉलिश किए गए पत्थर के औजार): Used finely ground and polished tools (axes, celts, sickles), more efficient for agriculture.

कृषि के लिए अधिक कुशल बारीक पीसे और पॉलिश किए गए औजार (कुल्हाड़ी, सेल्ट, हँसिया) का उपयोग करते थे।

6. Invention of the Wheel (पहिए का आविष्कार): Revolutionized transport and pottery making.

परिवहन और मिट्टी के बर्तन बनाने में क्रांति ला दी।

- Key Sites in India (भारत में प्रमुख स्थल):

- Mehrgarh (मेहरगढ़), Baluchistan (now Pakistan): One of the earliest sites of agriculture (wheat, barley) and settled life in the Indian subcontinent (7000-5500 BCE).

- Burzahom (बुर्जहोम), Jammu & Kashmir: Famous for pit dwellings (pit-houses) and evidence of domesticated dogs buried with masters.
- Gufkral (गुफकराल), Jammu & Kashmir: (Meaning 'Potter's Cave') Evidence of pit dwellings, agriculture, and animal husbandry.
- Chirand (चिरांद), Bihar: Neolithic site known for bone tools.
- Daojali Hading (दोजाली हाडिंग), Northeast India (Assam): Evidence of agriculture and pottery in the northeastern region.
- Belan Valley (बेलन घाटी), Uttar Pradesh.
- 4. Chalcolithic Age (ताम्रपाषाण काल) / Copper-Stone Age:
 - English: A period when humans began to use copper (first metal used) along with stone tools. Extends from approximately 3,000 BCE to 1,000 BCE. It is pre-Harappan in some areas and contemporaneous with Harappan in others, and post-Harappan in yet others.

एक अवधि जब मनुष्यों ने पश्चर के औजारों के साथ तांबे (पहला उपयोग किया गया धातु) का उपयोग करना शुरू किया। यह लगभग 3,000 ईसा पूर्व से 1,000 ईसा पूर्व तक फैली हुई है। यह कुछ क्षेत्रों में पूर्व-हड्ड्या और अन्य में हड्ड्या के समकालीन, और फिर अन्य में हड्ड्या के बाद का है।

- Key Characteristics / प्रमुख विशेषताएँ:
 1. Use of Copper: First widespread use of metal for tools and ornaments.

औजारों और आभूषणों के लिए धातु का पहला व्यापक उपयोग।

2. Rural Settlements: Most Chalcolithic cultures were rural in nature, with village communities. Some proto-urban features in later phases.

अधिकांश ताम्रपाषाण संस्कृतियाँ ग्रामीण प्रकृति की थीं, जिनमें ग्राम समुदाय थे। बाद के चरणों में कुछ प्रोटो-शहरी विशेषताएँ।

3. Pottery: Characteristic Black-and-Red Ware (BRW) pottery was common. Wheel-made pottery was extensively used.

विशेषता काला-और-लाल मृद्दांड (BRW) सामान्य था। चाक से बने मिट्टी के बर्तनों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था।

4. Agriculture: Practiced mixed farming, including cultivation of cereals (wheat, barley, rice) and rearing of cattle, sheep, goats.

अनाज (गेहूं, जौ, चावल) की खेती, और मवेशी, भेड़, बकरियों का पालन सहित मिश्रित खेती का अभ्यास किया।

5. Religious Beliefs: Evidence of mother goddess worship, bull worship.

मातृ देवी पूजा, बैल पूजा के प्रमाण।

- Key Cultures and Sites in India (भारत में प्रमुख संस्कृतियाँ और स्थल):

1. Ahar-Banas Culture (आहार-बनास संस्कृति): (Rajasthan) Located in the Banas Valley. Famous for copper smelting.

(राजस्थान) बनास घाटी में स्थित। तांबा गलाने के लिए प्रसिद्ध।

2. Malwa Culture (मालवा संस्कृति): (Western MP, parts of Maharashtra). Known for rich ceramics.

(पश्चिमी म.प्र., महाराष्ट्र के कुछ हिस्से)। समृद्ध मिट्टी के बर्तनों के लिए जाना जाता है।

3. Jorwe Culture (जोरवे संस्कृति): (Maharashtra) Important sites: Inamgaon (इनामगाँव), Nevasa (नेवासा), Daimabad (दैमाबाद). Daimabad is known for copper figures/bronze goods.

(महाराष्ट्र) महत्वपूर्ण स्थल: इनामगाँव, नेवासा, दैमाबाद। दैमाबाद तांबे की मूर्तियों/कांस्य वस्तुओं के लिए जाना जाता है।

4. Kayatha Culture (कायथा संस्कृति): (Madhya Pradesh).
 5. Eastern India Chalcolithic sites: Chirand, Mahishadal (West Bengal).

पूर्वी भारत ताम्रपाषाण स्थल: चिरांद, महिषादल (पश्चिम बंगाल)।

20 MCQs on Pre-historic Period / प्रागैतिहासिक काल पर 20 बहुविकल्पीय प्रश्न

Topic: Ancient Indian History: Pre-historic Period.

विषय: प्राचीन भारतीय इतिहास: प्रागैतिहासिक काल।

1. The earliest and longest period of the Stone Age, characterized by crude and unpolished stone tools, is the:

पाषाण युग की सबसे प्रारंभिक और सबसे लंबी अवधि, जिसकी विशेषता कच्चे और अपरिष्कृत पत्थर के औजार हैं, वह है:

A) Mesolithic Age / मध्यपाषाण काल
 B) Neolithic Age / नवपाषाण काल
 C) Paleolithic Age / पुरापाषाण काल
 D) Chalcolithic Age / ताम्रपाषाण काल

Answer: C) Paleolithic Age / पुरापाषाण काल

Explanation / व्याख्या: The Paleolithic Age (Old Stone Age) saw humans as nomadic hunter-gatherers using basic stone tools.

पुरापाषाण काल (पुराना पाषाण युग) में मनुष्य बुनियादी पत्थर के औजारों का उपयोग करने वाले खानाबदोश शिकारी-संग्राहक थे।

2. Humans in the Paleolithic Age were primarily:

पुरापाषाण काल में मनुष्य मुख्य रूप से थे:
 A) Food producers / भोजन उत्पादक
 B) Nomadic hunter-gatherers / खानाबदोश शिकारी-संग्राहक
 C) Urban dwellers / शहरी निवासी
 D) Copper smiths / तांबा कारीगर

Answer: B) Nomadic hunter-gatherers / खानाबदोश शिकारी-संग्राहक

Explanation / व्याख्या: They relied entirely on hunting animals and gathering wild plants for survival.

वे अस्तित्व के लिए पूरी तरह से जानवरों का शिकार करने और जंगली पौधों को इकट्ठा करने पर निर्भर थे।

3. The famous rock shelters and cave paintings of Bhimbetka are associated with which prehistoric period?

भीमबेटका के प्रसिद्ध शैल आश्रय और गुफा चित्र किस प्रागैतिहासिक काल से संबंधित हैं?

- A) Lower Paleolithic / निम्न पुरापाषाण
- B) Middle Paleolithic / मध्य पुरापाषाण
- C) Upper Paleolithic onwards / उच्च पुरापाषाण काल से
- D) Mesolithic only / केवल मध्यपाषाण काल

Answer: C) Upper Paleolithic onwards / उच्च पुरापाषाण काल से

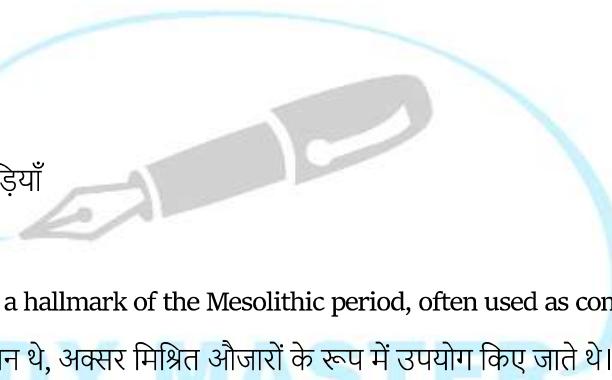
Explanation / व्याख्या: Bhimbetka shows continuous human habitation and artistic activity from the Upper Paleolithic through the Mesolithic.

भीमबेटका उच्च पुरापाषाण काल से मध्यपाषाण काल तक निरंतर मानव निवास और कलात्मक गतिविधि दिखाता है।

4. The Mesolithic Age is characterized by the use of very small, sharp stone tools called:

मध्यपाषाण काल को बहुत छोटे, तेज पक्षर के औजारों के उपयोग की विशेषता है जिन्हें कहा जाता है:

- A) Handaxes / हस्तकुल्हाड़ी
- B) Cleavers / कलीवर
- C) Microliths / सूक्ष्मपाषाण
- D) Polished axes / पॉलिश की हुई कुल्हाड़ियाँ



Answer: C) Microliths / सूक्ष्मपाषाण

Explanation / व्याख्या: Microliths were a hallmark of the Mesolithic period, often used as composite tools.

सूक्ष्मपाषाण मध्यपाषाण काल की एक पहचान थे, अक्सर मिश्रित औजारों के रूप में उपयोग किए जाते थे।

5. Evidence of early animal domestication has been found at which Mesolithic site in Rajasthan?

राजस्थान में किस मध्यपाषाण स्थल पर प्रारंभिक पशुपालन के प्रमाण मिले हैं?

- A) Sarai Nahar Rai / सराय नाहर राय
- B) Mahadaha / महादहा
- C) Bagor / बागोर
- D) Langhnaj / लंगनाज

Answer: C) Bagor / बागोर

Explanation / व्याख्या: Bagor is one of the most important Mesolithic sites in India, providing evidence of early domestication.

बागोर भारत के सबसे महत्वपूर्ण मध्यपाषाण स्थलों में से एक है, जो प्रारंभिक पशुपालन के प्रमाण प्रदान करता है।

6. The Neolithic Age is marked by a revolutionary shift where humans transitioned from food gatherers to:

नवपाषाण काल एक क्रांतिकारी बदलाव द्वारा चिह्नित है जहाँ मनुष्य भोजन संग्राहकों से किसमें बदल गए:

STUDY MASTER OFFICIAL - www.studymasterofficial.com This is Paid pdf of Study Master Official, for more details contact us.

Copyright@studymaster Paid Study Material, Notes, Question Bank & UPSC & State PCS Test Series, Special Notes Contact WhatsApp 9896160956

Study Master Notes for **HCS EXAM**

For Complete Notes for EXAM

WhatsApp: 9896160956

**These are Samples Notes, Message and order
your complete notes for Exam.**

Total Books / PDF - 12

Complete Notes for Prelims & Mains

Order as per your Requirement.

WhatsApp: 9896160956 for more details

- A) Nomadic hunters / खानाबदोश शिकारी
- B) Food producers / भोजन उत्पादक
- C) Urban traders / शहरी व्यापारी
- D) Metal workers / धातु कार्यकर्ता

Answer: B) Food producers / भोजन उत्पादक

Explanation / व्याख्या: The beginning of agriculture defines the Neolithic Revolution.

कृषि की शुरुआत नवपाषाण क्रांति को परिभाषित करती है।

7. Which of the following is a key characteristic of the Neolithic Age?

निम्नलिखित में से कौन सा नवपाषाण काल की एक प्रमुख विशेषता है?

- A) Use of crude stone tools / कच्चे पथर के औजारों का उपयोग
- B) No knowledge of pottery / मिट्टी के बर्तनों का कोई ज्ञान नहीं
- C) Beginning of settled life and agriculture / स्थायी जीवन और कृषि की शुरुआत
- D) Primary reliance on hunting large animals / बड़े जानवरों के शिकार पर प्राथमिक निर्भरता

Answer: C) Beginning of settled life and agriculture / स्थायी जीवन और कृषि की शुरुआत

Explanation / व्याख्या: The development of agriculture led to permanent settlements.

कृषि के विकास से स्थायी बस्तियाँ बनीं।

8. The Neolithic site of Burzahom, famous for pit dwellings and dog burials with masters, is located in:

बुर्जहोम का नवपाषाण स्थल, जो गड्ढे वाले घरों और मालिकों के साथ कुत्तों के दफनाने के लिए प्रसिद्ध है, कहाँ स्थित है:

- A) Uttar Pradesh / उत्तर प्रदेश
- B) Bihar / बिहार
- C) Jammu & Kashmir / जम्मू और कश्मीर
- D) Assam / असम

Answer: C) Jammu & Kashmir / जम्मू और कश्मीर

Explanation / व्याख्या: Burzahom is a unique Neolithic site in the Kashmir Valley.

बुर्जहोम कश्मीर घाटी में एक अद्वितीय नवपाषाण स्थल है।

9. The Chalcolithic Age is characterized by the first use of which metal along with stone tools?

ताम्रपाषाण काल पथर के औजारों के साथ किस धातु के पहले उपयोग की विशेषता है?

- A) Iron / लोहा

B) Gold / सोना

C) Copper / तांबा

D) Bronze / कांसा

Answer: C) Copper / तांबा

Explanation / व्याख्या: Chalcolithic literally means "copper-stone" age.

ताम्रपाषाण का शाब्दिक अर्थ "तांबा-पथर" युग है।

10. Which of the following is a prominent Chalcolithic culture known for its copper-smelting activities in Rajasthan?

निम्नलिखित में से कौन सी एक प्रमुख ताम्रपाषाण संस्कृति है जो राजस्थान में अपनी तांबा गलाने की गतिविधियों के लिए जानी जाती है?

A) Malwa Culture / मालवा संस्कृति

B) Jorwe Culture / जोरवे संस्कृति

C) Ahar-Banas Culture / आहार-बनास संस्कृति

D) Kayatha Culture / कायथा संस्कृति

Answer: C) Ahar-Banas Culture / आहार-बनास संस्कृति

Explanation / व्याख्या: The Ahar-Banas culture used copper extensively.

आहार-बनास संस्कृति ने तांबे का व्यापक उपयोग किया।

11. The earliest evidence of agriculture in the Indian subcontinent (wheat, barley) comes from the Neolithic site of भारतीय उपमहाद्वीप में कृषि (गेहूं, जौ) का सबसे पहला प्रमाण किस नवपाषाण स्थल से आता है:

A) Chirand / चिरांद

B) Daojali Hading / दोजाली हाडिंग

C) Mehrgarh / मेहरगढ़

D) Belan Valley / बेलन घाटी

Answer: C) Mehrgarh / मेहरगढ़

Explanation / व्याख्या: Mehrgarh is a key site for understanding the origins of settled life and farming in South Asia.

मेहरगढ़ दक्षिण एशिया में स्थायी जीवन और खेती की उत्पत्ति को समझने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है।

12. Which type of tools characterize the Middle Paleolithic Age?

मध्य पुरापाषाण काल की विशेषता किस प्रकार के औजार हैं?

A) Crude handaxes / कच्चे हस्तकुल्हाड़ी

STUDY MASTER OFFICIAL - www.studymasterofficial.com This is Paid pdf of Study Master Official, for more details contact us.

Copyright@studymaster Paid Study Material, Notes, Question Bank & UPSC & State PCS Test Series, Special Notes Contact WhatsApp 9896160956

B) Microliths / सूक्ष्मपाषाण

C) Blades and burins / ब्लेड और बुरिन

D) Flakes, borers, scrapers / फ्लेक्स, बोरर, स्क्रेपर

Answer: D) Flakes, borers, scrapers / फ्लेक्स, बोरर, स्क्रेपर

Explanation / व्याख्या: Tools became smaller and more specialized, derived from flakes.

औजार छोटे और अधिक विशिष्ट हो गए, जो फ्लेक्स से प्राप्त होते थे।

13. Which Chalcolithic site in Maharashtra is famous for its copper figures/bronze goods?

महाराष्ट्र में कौन सा ताम्रपाषाण स्थल अपनी तांबे की मूर्तियों/कांस्य वस्तुओं के लिए प्रसिद्ध है?

A) Inamgaon / इनामगांव

B) Nevasa / नेवासा

C) Daimabad / दैमाबाद

D) Langhnaj / लंगनाज

Answer: C) Daimabad / दैमाबाद

Explanation / व्याख्या: Daimabad is known for its unique hoard of copper artifacts.

दैमाबाद तांबे की कलाकृतियों के अपने अद्वितीय संग्रह के लिए जाना जाता है।

14. The period when humans transitioned from nomadic hunter-gatherers to settled food producers is known as the:

वह अवधि जब मनुष्य खानाबदोश शिकारी-संग्राहकों से स्थायी भोजन उत्पादकों में बदल गए, उसे कहा जाता है:

A) Paleolithic Revolution / पुरापाषाण क्रांति

B) Mesolithic Revolution / मध्यपाषाण क्रांति

C) Neolithic Revolution / नवपाषाण क्रांति

D) Chalcolithic Revolution / ताम्रपाषाण क्रांति

Answer: C) Neolithic Revolution / नवपाषाण क्रांति

Explanation / व्याख्या: This revolution involved the development of agriculture and settled communities.

इस क्रांति में कृषि और स्थायी समुदायों का विकास शामिल था।

15. Which site is known for pit dwellings (pit-houses) in the Neolithic Age in Jammu & Kashmir?

जम्मू और कश्मीर में नवपाषाण काल में गड्ढे वाले घरों (पिट-हाउस) के लिए कौन सा स्थल जाना जाता है?

A) Chirand / चिरांद

B) Burzahom / बुर्जहोम

C) Daojali Hading / दोजाली हाडिंग

D) Mehrgarh / मेरगढ़

Answer: B) Burzahom / बुर्जहोम

Explanation / व्याख्या: Burzahom provides unique evidence of Neolithic life adapted to cold climate.

बुर्जहोम ठंडी जलवायु के अनुकूल नवपाषाण जीवन का अद्वितीय प्रमाण प्रदान करता है।

16. The invention of the wheel is associated with which prehistoric period?

पहिए का आविष्कार किस प्रागैतिहासिक काल से जुड़ा है?

A) Paleolithic Age / पुरापाषाण काल

B) Mesolithic Age / मध्यपाषाण काल

C) Neolithic Age / नवपाषाण काल

D) Chalcolithic Age / ताम्रपाषाण काल

Answer: C) Neolithic Age / नवपाषाण काल

Explanation / व्याख्या: The wheel revolutionized pottery making and early transport.

पहिए ने मिट्टी के बर्तन बनाने और प्रारंभिक परिवहन में क्रांति ला दी।

17. The 'Black-and-Red Ware' (BRW) pottery was a characteristic feature of which period?

'काला-और-लाल मृदांड' (BRW) मिट्टी के बर्तन किस काल की एक विशिष्ट विशेषता थी?

A) Paleolithic Age / पुरापाषाण काल

B) Mesolithic Age / मध्यपाषाण काल

C) Neolithic Age / नवपाषाण काल

D) Chalcolithic Age / ताम्रपाषाण काल

Answer: D) Chalcolithic Age / ताम्रपाषाण काल

Explanation / व्याख्या: BRW is a distinctive pottery style found at Chalcolithic sites.

BRW ताम्रपाषाण स्थलों पर पाई जाने वाली एक विशिष्ट मिट्टी के बर्तनों की शैली है।

18. Which site is famous for its archaeological evidence of bone tools in the Neolithic period in Bihar?

बिहार में नवपाषाण काल में हड्डी के औजारों के पुरातात्त्विक प्रमाणों के लिए कौन सा स्थल प्रसिद्ध है?

A) Burzahom / बुर्जहोम

B) Chirand / चिरांद

C) Daojali Hading / दोजाली हाडिंग

D) Mehrgarh / मेरगढ़

Answer: B) Chirand / चिरांद

Explanation / व्याख्या: Chirand is a significant Neolithic site in the Ganga plains.

चिरांद गंगा के मैदानों में एक महत्वपूर्ण नवपाषाण स्थल है।

19. Robert Bruce Foote first discovered a Paleolithic tool (handaxe) in India at which site?

रॉबर्ट फूट ने सबसे पहले भारत में किस स्थल पर पुरापाषाण काल का औजार (हस्तकुल्हाड़ी) खोजा था?

A) Bhimbetka / भीमबेटका

B) Hunsgi / हुन्सगी

C) Kurnool Caves / कुर्नूल गुफाएँ

D) Pallavaram / पल्लवरम

Answer: D) Pallavaram / पल्लवरम

Explanation / व्याख्या: This discovery in 1863 marked a beginning for Indian prehistoric archaeology.

1863 में यह खोज भारतीय प्रागैतिहासिक पुरातत्व के लिए एक शुरुआत थी।

20. The primary economic activity of humans during the Mesolithic Age was:

मध्यपाषाण काल के दौरान मनुष्यों की प्राथमिक आर्थिक गतिविधि थी:

A) Agriculture / कृषि

B) Hunting, gathering, and fishing / शिकार, संग्रह, और मछली पकड़ना

C) Metalworking / धातु कर्म

D) Urban trade / शहरी व्यापार

Answer: B) Hunting, gathering, and fishing / शिकार, संग्रह, और मछली पकड़ना

Explanation / व्याख्या: While domestication began, primary reliance was still on hunting-gathering.

जबकि पशुपालन शुरू हुआ, प्राथमिक निर्भरता अभी भी शिकार-संग्रह पर थी।

Descriptive Questions for Mains Exam / मुख्य परीक्षा के लिए वर्णनात्मक प्रश्न

Question 1 / प्रश्न 1

English: Discuss the key characteristics and developments that distinguish the Paleolithic Age from the Mesolithic Age in India. Highlight the changes in human lifestyle, tools, and subsistence patterns during this transition. (Approx. 250 words)

Hindi: भारत में पुरापाषाण काल को मध्यपाषाण काल से अलग करने वाली प्रमुख विशेषताओं और विकासों पर चर्चा करें। इस संक्रमण के दौरान मानव जीवन शैली, औजारों और निर्वाह पैटर्न में हुए परिवर्तनों पर प्रकाश डालें। (लगभग 250 शब्द)

Answer / उत्तर:

- English: The transition from the Paleolithic to the Mesolithic Age in India marks a significant period of adaptation to changing environments. The Paleolithic Age (Old Stone Age), extending up to 10,000 BCE, was characterized by nomadic hunter-gatherers who lived in caves or open-air sites. Their tools were crude, large, and unpolished stone tools like handaxes, choppers, and cleavers, used for butchering and digging. There was no knowledge of agriculture or pottery. Art was mainly in the Upper Paleolithic (e.g., Bhimbetka rock shelters).

The Mesolithic Age (Middle Stone Age), roughly 10,000-6,000 BCE, was a transitional period marked by significant climatic changes (warmer climate, melting ice) leading to new flora and fauna. Humans adapted by becoming semi-nomadic and diversifying their subsistence to include more fishing and fowling. The defining characteristic was the use of microliths – very small, sharp, and pointed stone tools, often hafted onto wood or bone to create composite tools (e.g., arrows, sickles). Evidence of early animal domestication (e.g., dog, sheep, goat at Bagor, Adamgarh) also emerged. Mesolithic sites often show more diverse rock paintings depicting human and animal life. This period represents a shift towards a more diversified economy and more refined tool-making, bridging the gap to the agricultural revolution.

- Hindi: भारत में पुरापाषाण काल से मध्यपाषाण काल में संक्रमण बदलते वातावरण के अनुकूलन की एक महत्वपूर्ण अवधि को चिह्नित करता है। पुरापाषाण काल (पुराना पाषाण युग), जो 10,000 ईसा पूर्व तक फैला हुआ है, खानाबदोश शिकारी-संग्राहकों द्वारा विशेषता थी जो गुफाओं या खुले हवा में रहते थे। उनके औजार कच्चे, बड़े और अपरिष्कृत पत्थर के औजार थे जैसे हस्तकुल्हाड़ी, चौपर और क्लीवर, जिनका उपयोग कसाई और खुदाई के लिए किया जाता था। उन्हें कृषि या मिट्टी के बर्तनों का कोई ज्ञान नहीं था। कला मुख्य रूप से उच्च पुरापाषाण काल में थी (उदा. भीमबेटका शैल आश्रय)।

मध्यपाषाण काल (मध्य पाषाण युग), लगभग 10,000-6,000 ईसा पूर्व, एक संक्रमणकालीन अवधि थी जो महत्वपूर्ण जलवायु परिवर्तनों (गर्म जलवायु, पिघलती बर्फ) द्वारा चिह्नित थी, जिससे नए वनस्पति और जीव जंतुओं का उदय हुआ। मनुष्य अर्ध-खानाबदोश बनकर और अपनी आजीविका को मछली पकड़ने और पक्षी पकड़ने को शामिल करके अनुकूलित हुए। परिभाषित विशेषता सूक्ष्मपाषाणों का उपयोग था - बहुत छोटे, तेज और नुकीले पत्थर के औजार, अक्सर लकड़ी या हड्डी पर लगाए जाते थे ताकि मिश्रित औजार (उदा. तीर, हॉसिया) बनाए जा सकें। प्रारंभिक पशुपालन के प्रमाण (उदा. बागोर, आदमगढ़ में कुत्ता, भेड़, बकरी) भी उभेरे। मध्यपाषाण स्थलों में अक्सर मानव और पशु जीवन को दर्शनी वाले अधिक विविध शैल चित्र दिखाई देते हैं। यह अवधि एक अधिक विविध अर्थव्यवस्था और अधिक परिष्कृत औजार बनाने की ओर बदलाव को दर्शाती है, जो कृषि क्रांति के अंतराल को पार करती है।

Question 2 / प्रश्न 2

English: Analyze the transformative changes that defined the Neolithic Age in India. Discuss how the key developments of this period led to a fundamental shift in human lifestyle and their long-term impact on the development of early societies. (Approx. 250 words)

Hindi: भारत में नवपाषाण काल को परिभाषित करने वाले परिवर्तनकारी परिवर्तनों का विश्लेषण करें। चर्चा करें कि इस अवधि के प्रमुख विकासों ने मानव जीवन शैली में एक मौलिक बदलाव कैसे किया और प्रारंभिक समाजों के विकास पर उनके दीर्घकालिक प्रभाव क्या थे। (लगभग 250 शब्द)

Answer / उत्तर:

Study Master Notes for **HCS EXAM**

For Complete Notes for EXAM

WhatsApp: 9896160956

**These are Samples Notes, Message and order
your complete notes for Exam.**

Total Books / PDF - 12

Complete Notes for Prelims & Mains

Order as per your Requirement.

WhatsApp: 9896160956 for more details

- English: The Neolithic Age (New Stone Age), approximately 6,000-4,000 BCE in India, represented a revolutionary period of transformation, often termed the Neolithic Revolution. This era saw humans transition from being nomadic food gatherers to settled food producers.

The key developments of this period fundamentally reshaped human lifestyle:

1. Beginning of Agriculture: Humans started cultivating crops like wheat, barley, and rice (evidenced at Mehrgarh, Chirand), providing a stable and reliable food supply. This ended the constant search for food.
2. Animal Domestication: Widespread domestication of cattle, sheep, and goats provided a consistent source of meat, milk, and labor.
3. Settled Life: With a stable food supply, humans began living in permanent settlements (e.g., pit dwellings at Burzahom), leading to the formation of villages and the development of rudimentary social structures.
4. Invention of Pottery: For storing surplus grains and cooking food more efficiently. The invention of the wheel further revolutionized pottery-making and, later, transport.
5. Polished Stone Tools: Development of finely ground and polished stone tools (axes, sickles) for agriculture and other tasks, indicating increased technological sophistication.

The long-term impact was profound. The shift to food production led to population growth and the development of more complex societies. Surplus food allowed for specialization of labor, leading to the emergence of artisans and craftsmen. Villages evolved into early towns, laying the groundwork for urban civilizations (like the later Indus Valley Civilization). This period fundamentally established the foundations of human civilization based on agriculture and settled communities.

- Hindi: नवपाषाण काल (नया पाषाण युग), भारत में लगभग 6,000-4,000 ईसा पूर्व, परिवर्तन का एक क्रांतिकारी काल था जिसे अक्सर नवपाषाण क्रांति कहा जाता है। इस युग में मनुष्य खानाबदोश भोजन संग्राहकों से स्थायी भोजन उत्पादकों में बदल गए।

इस अवधि के प्रमुख विकासों ने मानव जीवन शैली को मौलिक रूप से नया आकार दिया:

1. कृषि की शुरुआत: मनुष्यों ने गेहूं, जौ और चावल जैसी फसलों की खेती करना शुरू किया (मेहरगढ़, चिरांद में साक्ष्य), जिससे भोजन की स्थिर और विश्वसनीय आपूर्ति हुई। इससे भोजन की निरंतर खोज समाप्त हो गई।
2. पशुपालन: मवेशी, भेड़ और बकरियों का अधिक व्यापक पशुपालन मांस, दूध और श्रम का एक सुसंगत स्रोत प्रदान करता था।
3. स्थायी जीवन: स्थिर भोजन आपूर्ति के साथ, मनुष्य स्थायी बस्तियों (उदा. बुर्जहोम में गड्ढे वाले घर) में रहने लगे, जिससे गाँवों का निर्माण हुआ और प्रारंभिक सामाजिक संरचनाओं का विकास हुआ।
4. मिट्टी के बर्तनों का आविष्कार: अतिरिक्त अनाज भंडारण और भोजन को अधिक कुशलता से पकाने के लिए। पहिए के आविष्कार ने मिट्टी के बर्तन बनाने और बाद में परिवहन में क्रांति ला दी।
5. पॉलिश किए गए पथर के औजार: कृषि और अन्य कार्यों के लिए बारीक पीसे और पॉलिश किए गए पथर के औजारों (कुल्हाड़ी, हँसिया) का विकास, जो बढ़ी हुई तकनीकी परिष्कार को दर्शाता है।

दीर्घकालिक प्रभाव गहरा था। भोजन उत्पादन में बदलाव से जनसंख्या वृद्धि हुई और अधिक जटिल समाजों का विकास हुआ।

अतिरिक्त भोजन ने श्रम के विशेषज्ञता की अनुमति दी, जिससे कारीगरों और शिल्पकारों का उदय हुआ। गाँव प्रारंभिक शहरों में

विकसित हुए, जिससे शहरी सभ्यताओं (जैसे बाद की सिंधु घाटी सभ्यता) के लिए आधार तैयार हुआ। इस अवधि ने मौलिक रूप से कृषि और स्थायी समुदायों पर आधारित मानव सभ्यता की नींव स्थापित की।



STUDY MASTER OFFICIAL Visit our official website for more pdf www.studymasterofficial.com

Study Master Notes for **HCS EXAM**

For Complete Notes for EXAM

WhatsApp: 9896160956

**These are Samples Notes, Message and order
your complete notes for Exam.**

Total Books / PDF - 12

Complete Notes for Prelims & Mains

Order as per your Requirement.

WhatsApp: 9896160956 for more details